बृहस्पतिवार
23 मई 2024

पृष्ठ 4

लाल केला खाना होता है स्वास्थ्य के...

पृष्ठ 5

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज..

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 113
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता।
– स्वामी भजनानंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आखिर कैसे सुधरेंगी यात्रा व्यवस्थाएं?

❑धामों में श्रद्धालुओं का सैलाब, नहीं आई कमी
❑12 दिन में 9 लाख से अधिक यात्री पहुंचे
❑मुश्किल में फंसे यात्री, जगह-जगह जाम
❑टूर ऑपरेटर्स की चेतावनी, सरेंडर करेंगे परमिट

विशेष संवाददाता

देहरादून। यात्रा शुरू होने के साथ ही पटरी से उतरी व्यवस्थाओं को संभालने में राज्य का शासन-प्रशासन अपनी पूरी ताकत झौंक कर भी व्यवस्थाओं को सुधारने में नाकाम साबित हो रहा है। धामों में जिस तरह से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है और भीड़ में किसी भी तरह की कमी होती नहीं दिख रही है उससे यह साफ हो गया है कि इस तरह से व्यवस्थाओं को दुरुस्त नहीं बनाया जा सकता।

अभी यात्रा को शुरू हुए 12-13 दिन ही हुए हैं इन दिनों में अब तक 9 लाख से अधिक यात्री चारों धामों में दर्शन कर चुके हैं। सबसे अधिक भीड़ केदारधाम में पहुंच रही है जहां हर रोज औसतन 30-32 हजार यात्री पहुंच रहे हैं। सभी धामों में वहां क्षमता से दोगुना यात्रियों के पहुंचने से तमाम जन सुविधाएं कम पड़ रही है। यात्रियों को पेयजल और भोजन व्यवस्था से लेकर शौच आदि की तमाम समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। भारी भीड़ के कारण यात्रा मार्गों पर जगह-जगह जाम की स्थिति पैदा हो रही है। केदार धाम के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग और रुद्रप्रयाग में श्रद्धालुओं को रोके जाने से भारी भीड़ जमा हो चुकी है जिसे नियंत्रित करने में पुलिस प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर पहाड़ से पत्थर गिरने से अब तक कई यात्री घायल हो चुके हैं। अब तक 42 यात्रियों की अलग-अलग कारणों से मौत हो चुकी है। भीड़ को कम करने के लिए ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक लगाने तथा यात्रियों को जगह-जगह रोके जाने से भी भीड़ का दबाव कम होता नहीं दिख रहा है। उधर हरिद्वार और ऋषिकेश में पंजीकरण रुक जाने से टूर ऑपरेटर एक सप्ताह से हजारों यात्रियों के साथ पंजीकरण शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस अव्यवस्था में फंसकर उनका व्यवसाय चौपट हो गया है। वह इतने परेशान हो चुके हैं कि अब उनके द्वारा आरटीओ में अपने परमिट सरेंडर करने की चेतावनी दी जा रही है। आर्थिक नुकसान के साथ यहां हो रही परेशानियों का उन्हें कोई समाधान होता नहीं दिख रहा है। उधर कुछ टूर ऑपरेटर्स के फर्जीवाड़े पकड़े जाने से भी यात्री परेशान है अब तक छह टूर ऑपरेटर्स के खिलाफ केस दर्ज किया जा चुका है। सरकार अब यात्रा के लिए अलग प्राधिकरण बनाने पर विचार कर रही है लेकिन वह इस साल तो अस्तित्व में नहीं आ सकता है।

महिला सहित दो अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, लाखों की स्मैक बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ व पुलिस की टीमों द्वारा एक महिला सहित दो अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके कब्जे से लाखों की स्मैक व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते कुछ समय से एसटीएफ की एन्टी नारकोटिक्स सेल को सूचनाए मिल रही थी कि ड्रग्स तस्करों का एक अंर्तराज्यीय गैंग उत्तराखण्ड में लगातार ड्रग्स तस्करी कर रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एन्टी नारकोटिक्स टीम द्वारा उक्त गिरोह के सम्बन्ध में जानकारिया एकत्र की गयी। जिसके बाद आज एक सूचना के तहत एन्टी नारकोटिक्स टीम द्वारा थाना गदरपुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्यवाही करते हुए गदरपुर क्षेत्रांतर्गत मोतियापुर तिराहे के पास से बाइक सवार 2 अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्कर हैदर अली व शबाना

उर्फ गुलनाज निवासी मुरादाबाद को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 ग्राम स्मैक बरामद की गयी। एसटीएफ के अनुसार गिरफ्तार हुए आरोपी पिछले कई सालों से उत्तराखंड में स्मैक की सप्लाई कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया गया कि वह यह स्मैक मुरादाबाद से थोड़ी-थोड़ी मात्रा में खरीद कर गदरपुर/दिनेशपुर आदि मैदानी क्षेत्र में बेचने जा रहे थे। बहरहाल गिरफ्तार किये गये ड्रग्स तस्करों के खिलाफ थाना गदरपुर में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बड़े भाई ने छोटे भाई, उसकी पत्नी और 3 माह के बच्चे को उतारा मौत के घाट

सोनीपत। हरियाणा के सोनीपत के गांव बिंधरोली में सभी तब हैरान रह गए जब, बड़े भाई ने अपने ही छोटे भाई, उसकी पत्नी और उसके तीन माह के बच्चे को तेजधार हथियार से बेरहमी से काटकर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल में भेज दिया है।

सोनीपत के गांव बिंधरोली के रहना वाला अमरदीप सोनीपत नगर निगम में कौशल रोजगार कार्यालय के तहत परिवार पहचान पत्र विभाग में तैनात था। उसने मधु नाम की महिला से इंटरकास्ट शादी की थी। मधु ने तीन महीने पहले ही एक बेटे को जन्म दिया था, लेकिन किसी बात को लेकर अमरदीप का भाई मंदीप इनसे ईर्ष्या पाले हुए था। जब अमरदीप घर के आंगन में सो रहा था, तब पहले तो मंदीप ने अमरदीप पर तेजधार हथियार से हमला करके उसकी जान ले ली। बाद में मधु और तीन महीने के मासूम शिवम को भी बेरहमी से मार डाला और मौके से फरार हो गया।

बेंगलुरु के 3 बड़े होटलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि शहर के जाने-माने 3 बड़े होटलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसमें 'द ओटेरा' होटल भी शामिल है।

इस बात की जानकारी बेंगलुरु दक्षिण-पूर्वी के डीसीपी ने मीडिया को दी। अधिकारियों के मुताबिक, बम को डिस्पोज करने वाली टीम और जांच करने वाली टीम को मौके पर तैनात कर दिया गया है। अभी कुछ दिन पहले ही गृह मंत्रालय को राष्ट्रपति भवन से लगे नॉर्थ ब्लॉक में बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए मिली थी, जो बाद में

झूठी और अफवाह मात्र निकली। इससे पहले अप्रैल में दिल्ली-एनसीआर, जयपुर, उत्तर प्रदेश और बेंगलुरु के स्कूलों को उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए मिल चुकी है। इन सबकी जांच होने के बाद पता चला कि यह सभी झूठी और अफवाह थी।

दिल्ली हाई कोर्ट ने इन घटनाओं को लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जवाब में, दिल्ली पुलिस ने 17 मई को एक रिपोर्ट सौंपी, जिसमें शहर भर में पांच बम निरोधक दस्ते और 18 बम पहचान टीमों की तैनाती का संकेत दिया गया। सेंट्रल रेंज के अंतर्गत आने वाले कुल 1,764 स्कूल, पूर्वी रेंज में 1,032, पश्चिमी रेंज में 1,762 और नई दिल्ली रेंज में 76 स्कूल हैं, याचिकाकर्ताओं ने ऐसे खतरों से निपटने और सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक कार्य योजना और छात्रों की सुरक्षा की कमी के बारे में चिंता जताई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

किसकी गारंटी, किस पर भारी?

अभी लोकसभा चुनाव के दो चरण और 115 सीटों पर मतदान होना शेष है लेकिन बीच चुनाव में ही एनडीए और इंडिया गठबंधन द्वारा मजबूती के साथ अपनी-अपनी जीत के दावे किए जा रहे हैं। जो इस बात को दर्शाते हैं कि 2024 का यह चुनाव एक ऐसे जबरदस्त मुकाबले में पहुंच गया है जो किसी के लिए भी आसान नहीं रहा है। चुनाव के शुरुआती दौर में सत्तारूढ़ भाजपा को जो जीत बहुत आसान दिख रही थी वह हर रोज कठिन और कठिन होती चली गई। अपने आप को बेदाग समझने वाली सरकार और उसके नेता कुछ अदालती फैंसलों से जहां असहज होते दिखे वही अत्यंत कमजोर और बिखरा-बिखरा दिखने वाला विपक्ष हमलावर स्थिति में आता चला गया। राहुल गांधी की सामाजिक न्याय यात्रा और उसके बाद चुनावी घोषणा पत्र न्याय पत्र ने तो सारी बाजी को ही पलट कर रख दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय सरकार ने 10 साल में गरीब कल्याण योजनाओं से जोड़े गए 80-90 करोड़ लाभार्थियों को भाजपा की बड़ी ताकत समझा जा रहा है तथा भाजपा के पास जो सांगठनिक मजबूती और मोदी का चेहरा जिसे लेकर मोदी है तो मुमकिन है जैसे नारे गढ़ कर अजेय भाजपा का नैरेशन सेट किया गया वह एक झटके में इस तरह से निष्प्रभावी साबित किया जा सकता है यह शायद भाजपा के किसी भी रणनीतिकार ने सोचा तक नहीं था। हर बात के साथ यह है मोदी की गारंटी यानी की गारंटी की भी गारंटी का प्रचार करने वाले पीएम मोदी और उनकी गारंटियों पर इंडिया व कांग्रेस के न्याय पत्र की 25 गारंटी इतनी भारी पड़ जाएगी इसका भी अंदाजा भाजपा के रणनीतिकार नहीं लगा सके। कांग्रेस ने अपने इस न्याय पत्र में 25 गारंटीयों के माध्यम से गरीब महिलाओं किसानों तथा आदिवासियों के लिए इतनी मोटी और लंबी लकीर खींच दी गई कि शायद इससे और अधिक की कुछ गुंजाइश शेष नहीं बची थी। भाजपा के पास इस न्याय पत्र की यह कहकर आलोचना करने कि इसमें किए गए वायदे इतने अविश्वसनीय हैं जिन्हें पूरा किया ही नहीं जा सकता है या फिर इस पर मुस्लिम लीग की छाप है या फिर इंडिया जामिया मॉडल देश में लागू करना चाहता है। अथवा देश को सांप्रदायिक और जाति आधार पर बांटना चाहता है जैसी बातें करने के अलावा हिंदू-मुस्लिम और पाकिस्तान कहने के सिवाय कुछ शेष नहीं बचा। यह कहना कदाचित भी गलत नहीं है कि कांग्रेस से ज्यादा प्रचार इस न्याय पत्र का भाजपा नेताओं द्वारा किया गया। गरीब कल्याण के नाम पर मोदी सरकार भी मुफ्त राशन और डायरेक्ट कैश बेनिफिट की खूब रेवड़िया बांट रही थी और उनके ही आसरे जीत की हैट्रिक का ही नहीं अबकी बार 400 पार का दावा भी कर रही थी लेकिन पांच चरण का मतदान संपन्न होते-होते एनडीए नेताओं को बखूबी अंदाजा हो चुका है। कांग्रेस व इंडिया गठबंधन ने इस चुनाव में उसने मोदी मैजिक के साथ-साथ राम मंदिर निर्माण के जरिए हिंदुत्व की लहर पैदा करने की कोशिशों के साथ उसके लाभार्थियों और आरक्षण की राजनीति को भी हासिये पर धकेल दिया है। पांच चरण के चुनाव में भाजपा और एनडीए के नेताओं द्वारा किसी जन सरोकार के मुद्दे पर बात न किया जाना तथा पुराने इतिहास को दोहराने तथा भैंस चोरी मंगलसूत्र चोरी अधिक बच्चे पैदा करने वालों को सारी संपत्तियां बांट देने सांप्रदायिकता और परिवार वाद जैसी बातों तक ही सीमित हो जाना बताता है कि यह चुनाव 2014 और 2019 जैसा चुनाव नहीं है। मोदी और राहुल की गारंटी में से जनता किसकी गारंटीयों पर अधिक भरोसा जताएगी यह तो 4 जून को चुनाव नतीजे ही बताएंगे। सर्वे और विश्लेषज्ञों के आधार पर कोई नतीजा नहीं निकाला जा सकता क्योंकि यह सभी प्रायोजित ही होते हैं। माना तो यह भी जा रहा है कि इस बार किसी को भी पूर्ण बहुमत नहीं मिल सकेगा। ऐसी संभावनाओं से यही संदेश मिलता है कि सत्ता में कोई भी आए लेकिन मुकाबला संघर्षपूर्ण रहने वाला है।

उत्तरांचल प्रधानाचार्य परिषद के जिला अध्यक्ष बने दिनेश

देहरादून (सं)। उत्तरांचल प्रधानाचार्य परिषद के संरक्षक बने डॉ एके श्रीवास्तव व जिला अध्यक्ष दिनेश चंद मटू निर्वाचित हुए।

आज यहां उत्तरांचल प्रधानाचार्य परिषद की कार्यकारिणी की बैठक गुरू नानक गर्ल्स इण्टर कालेज रेसकोर्स में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला कार्यकारिणी के चुनाव निर्वाचन प्रान्तीय अध्यक्ष पीसी सुयाल व प्रान्तीय महामंत्री के अध्यक्षता में सम्पन्न हुए इस निर्वाचन में जिला संरक्षक डॉ एके श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष दिनेश चन्द्र मटू, जिला मंत्री अवतार सिंह चावला, कोषाध्यक्ष ललित किशोर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गिरीश चन्द सेमवाल, जिला उपाध्यक्ष महिला श्रीमती प्रतिमा पाठक, संगठन मंत्री नरेश कुमार वर्मा, संगठन मंत्री महिला गुरप्रीत कौर रंधावा, व कार्यकारणी मे श्रीमती धर्मी मिश्रा, श्रीमती मोना बाली, श्रीमती पूनम शर्मा, डॉ. सीमा रस्तोगी, श्रीमती रेखा अग्रवाल को निर्वाचित किया गया।

आसीनासो अरुणीनामुपस्थे रयिं धत्त दाशुषे मर्त्याय।
पुत्रेभ्य: पितरस्तस्य वस्व: प्र यच्छत त इहोर्ज दधात।।

(ऋग्वेद १०-१५-७)

उषाकाल की अरुण किरणें परोपकारी व्यक्ति जो दूसरों के हितों के लिए कार्य करते हैं उनके लिए ऊर्जा और ऐश्वर्या लातीं है। वह उन व्यक्तियों की संतानों के लिए भी समृद्धि लाती है।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही के आगे का हिस्सा
(भाग पांचवां जारी...)

●नरेन्द्र कठैत

ऐसा मुमकिन नहीं कि अपर बाजार में चढ़ते-उतरते रामलला की भव्य इमारत पर न पड़े। लेकिन रामलीला मैदान पर खड़ी इसी भव्य इमारत के निर्माण से पहले हमने उसी जगह कई चबूतरे बनते टूटते देखे हैं। किरदार याद हैं, साज याद हैं, यहां तक की कुछ कपड़े भी याद हैं जो यदा-कदा हमने पहने हैं।

राम लला की इसी भव्य इमारत के पीछे कभी जमानों में लकड़ी -कोयले का टाल था। सन् 1954 में 'गढ़वाली जन साहित्य परिषद' द्वारा प्रकाशित तथा दामोदर प्रसाद थपलियाल,साहित्याचार्य एवं श्याम सिंह नेगी,बी.जेडी. के संपादन में निकली पुस्तक 'गढ़वाली साहित्य की भूमिका' में रमाप्रसाद घिडियाल 'पहाड़ी' जी ने 'विशाल कीर्ति' के एक अंक में छपे एक आलेख में इसी टाल का उद्धरण देते हुए उन्होंने लिखा है कि-'उबारे हमारा लेखकों मा एक चेतना आई छई और यदि विशाल कीर्ति का अंक आप उठावन त पढ़ील्या 'पौड़ी का टाल मा लाखड़ा नी छन, दुकानों मा सड़यूं गळ्यूं आटू छ।'(उस समय हमारे लेखकों में एक नई चेतना का संचार हुआ। और अगर आप 'विशाल कीर्ति' के अंक उठाएं, तो पढ़ेंगे-पौड़ी के टाल में लकड़िया नहीं हैं, दुकानों में सड़ा -गला आटा है।)।

सवाल यही है कि आज भी लगभग समस्याएं वही हैं। लेखकों की भी भरमार है। लेकिन लेखकों की जमीन से जुड़ी वह चेतना कहां है? इस शहर की एक चिंता यह भी है।

लेकिन उस टाल के कोयले की अब न कालिख ही बची है- और न ही लकड़ियों का बुरादा ही शेष है। किंतु उन दो चूल्हों के धुएं की गंध आज भी हमारे तन मन में ज्यों कि त्यों है। अपनी गुणवता, मधुरता के लिए प्रसिद्ध इन चूल्हों के मालिक थे- आदरेय - लक्ष्मण सिंह राणा (जनप्रिय नाम लच्छू लाला जी!) और दूसरे गणेश प्रसाद जदली (जदली लाला जी)। दोनों चाय की ही दुकान चलाते थे। दोनों के चूल्हों में या तो कोयले धधकते रहते थे या वहां लकड़ियों का धुंवा देखते थे।

एक ओर लच्छू जी के यहां -नरेन्द्र सिंह नेगी,विरेन्द्र कश्यप,राजेन्द्र राजू जैसे कई अग्रजों की चाय छनती थी। और वहीं चंद कदम ऊपर हम फक्कड़ों की बैठकी गणेश प्रसाद जदली जी की दुकान में जमती थी। जदली जी की दुकान का सैटअप आज भी याद है। उनकी दुकान के तीन हिस्से थे। फ्रन्ट पर उनकी भट्टी, भट्टी में रखी बड़ी सी केतली में चाय खदबदाती रहती। इसी भट्टी की दूसरी ओर जदली जी का काउन्टर होता। और भट्टी और काउन्टर के बीच से होकर ग्राहकों के लिए आने-जाने का खुला पैसैज था।

जदली जी के दो सहायक थे। एक सहायक भट्टी में चाय बनाने और भट्टी का ध्यान रखता था। तथा दूसरे सहायक का काम ग्राहकों तक चाय पहुंचाना और गिलास धोना होता था। काउन्टर भी लकड़ी और कांच का धुंधला सा था। इसी के पीछे एक और कमरा था। उस पर ग्राहकों के लिए दो तरफा लम्बे बैंच बीच में लम्बे टेबुल होते थे। इस दूसरे कमरे के पीछे तीसरा कमरा थोड़ा छोटा था। लेकिन वह कमरा भी बैंच - टेबुल से सज्जित था। किंतु उस आखिरी के उस कमरे में ग्राहक बहुत कम आते थे।

जदली जी की दुकान का वही तीसरा खंड हम फक्कड़ों का अड्डा था। यही वह कमरा था जहां से हम फक्कड़ों में किसी के सुर, किसी के ताल, किसी के नृत्य, किसी के संवाद, किसी के अभिनय के तार सीधे मायानगरी से जुड़े थे। यूं समझ लीजिए जदली जी की उस कोठरी में अमिताभ भी अभिनय करते थे, किशोर कुमार भी गाते थे, भप्पी लहरी साज बजाते थे -और बिरजू महाराज नृत्य करते थे।

जदली जी बड़े ही हंसमुख मिजाज आदमी! दुकान में चाय पी ली तो ठीक! अन्यथा जदली जी ने ये कभी नहीं कहा कि-'चाय नहीं पीनी है तो यहां से उठिए!' हम बैठे रहते थे घंटों! बिना चाय की चर्चा! और टेबुल कुर्सी जदली जी की! लेकिन कभी ऐसा भी होता था जब जदली जी बड़ी मासूमियत के साथ कह देते थे- चाय पीऐंगे? तब यूं समझ लीजिए कि आत्म ग्लानि के भाव से कह देते थे-'जी! चार की सात...!' तब भी उन्होंने कभी ये नहीं कहा कि 'आप चार और चाय-चार की सात! पैसे आप चार के देंगे। किंतु गिलास तो तुम कमीनों के सात ही धोने होंगे।' जदजी जी आप जहां भी हैं- इस धृष्टता के लिए हमारी ओर से क्षमा प्रार्थनीय है।

जदली जी के प्रतिष्ठान से जुड़ी एक बात और याद है!

कभी-कभी हम फक्कड़ों की आड़ में कुछ सिरफिरे लोग उनके साथ बेमानी भी करते थे। दरअसल हम फक्कड़ों ने जिस कमरे को अपने बाप का समझ रखा था। उसी से होकर एक बाहर निकलने का भी रास्ता था। सिरफिरे वहां बैठकर चाय पीते! जलेबी खाते! और चुपके से उस रास्ते से नौ दो ग्यारह हो जाते थे। जदली जी इस सब से बेखबर सहायक से कहते- 'अरे! जरा वहां जाकर देख -उनको कुछ और तो नहीं चाहिए?' सहायक जाता और लौटकर बताता-'साहब वहां तो कोई नहीं है!'

दूसरे दिन जदली जी हमें किस्सा सुनाकर कहते- 'देखो यहां ऐसे भी लोग आते हैं। आते हैं! खाते-पीते हैं और चुपके से चले जाते हैं! लेकिन आपसे हमें कोई दिक्कत नहीं हैं! बैठे हो! जब तक चाहो बैठे रहिए!' हम कहते- भाई साहब ये तो आपके साथ सरासर बेमानी हुई है-आप चिंता न करें हम उन लफंगों का पता करेंगे!' वे जवाब देते- 'अरे हम तो खा ही लेंगे! लेकिन चिंता ये हैं कि ये लोग कब तक ऐसा करते रहेंगे?' थोड़ा आगे बढ़ते फिर कुछ सोच कहते- 'दुनिया है जी! न मिलें तो कोई बात नहीं! मिल जाएं तो प्यार प्रेम से समझाना! लेकिन हाथापाई मत करना भई!'

जदली जी! आप जैसी विभूतियां अब कहां मिलेगीं?

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

नेपाल के दो गुमशुदा लोगों को राजस्थान से किया बरामद

हमारे संवाददाता

चंपावत। नेपाल से भागकर भारत आये एक युवती सहित दो लोग लापता हो गये। नेपाल पुलिस के आग्रह पर उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा मददगार बनते हुए दोनो गुमशुदाओं को राजस्थान से बरामद कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 10 मई को नेपाल राष्ट्र के महेंद्रनगर थाना से इंस्पेक्टर गुरुंग द्वारा बनबसा पुलिस व एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को अवगत कराया कि उनके क्षेत्र से एक लड़का व लड़की जो आपस में रिश्तेदार भी हैं ,भागकर भारत राष्ट्र में कहीं चले गए हैं। कृपया उनकी तलाश करें। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाते हुए सरहदीय जनपदों /राज्यों को भी सूचना दी गई तथा गुमशुदाओ को ट्रेस किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप उक्त दोनों गुमशुदाओ का राजस्थान में होना प्रकाश में आने पर राजस्थान पुलिस को सूचित किया गया जहाँ राजस्थान पुलिस द्वारा उन्हें सकुशल बरामद किया। तथा उक्त संबंध में नेपाल पुलिस तथा गुमशुदाओ के परिजनों को सूचित किया गया। 22 मई यानि बीते रोज उक्त दोनों गुमशुदाओ को उनके परिजनो द्वारा उन्हें राजस्थान से चौकी बनबसा लेकर आए जहां उन्होंने चंपावत पुलिस का धन्यवाद अदा करते हुए बताया कि वह अग्रिम कार्रवाई अपने राष्ट्र नेपाल थाना महेंद्रनगर जाकर करेंगे।

देश को दुनिया में सम्मान दिलाने की क्षमता हो

अखिलेश आर्येन्दु

चुनावी मौसम में वेद शास्त्रों और आचार्य चाणक्य के राष्ट्रपरक नीति वचन की याद आना लाजिमी है जिसमें कहा गया है कि जनता ऐसे दूरदर्शी, त्यागी, नीतिवान और चरित्रवान व्यक्ति का चुनाव करे जिसमें देश को बेहतरी की तरफ ले जाने और दुनिया में सम्मान दिलाने की क्षमता हो।

एक नागरिक का कर्त्तव्य अपने देश के प्रति कैसा होना चाहिए? इस पर चाणक्य का कहना है, कर्त्तव्य को विवेक से करना नीतिवान मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य है। चाणक्य इसी संदर्भ में कहते हैं-भली प्रकार सोच-विचार कर या अवसर को पहचानने के बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए।

पांच साल के बाद जनता को अवसर मिलता है कि निवर्तमान सरकार के कायरे, नीतियों और निर्णयों का बेहतर मूल्यांकन कर नई सरकार के लिए बगैर किसी लालच खूब सोच-समझ कर अपना मत दे यानी ईवीएम का बटन दबाए। तमाम तरह के सर्वे समझाने की कोशिश करते रहे हैं कि आम चुनाव में भी क्षेत्रीय मुद्दे और जात-पात की मानसिकता हावी है। हम मतदाता अपने नागरिक कर्त्तव्यों को बेहतर सोच और परिणाम के साथ निभाने में हमेशा पीछे रहते हैं, वरना क्या वजह है कि दुनिया के तमाम देशों में जहां सरकार बनाने के लिए अस्सी-नब्बे प्रतिशत मतदान होता है वहीं भारत में पचास या साठ के आसपास। ताजा सर्वेक्षण तस्दीक करते हैं कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के बनिस्बत महंगाई और बेरोजगारी को तरजीह दी जा रही है यानी आतंक, धारा 370, समान नागरिक संहिता (कानून), विदेशी घुसपैठ जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा और अस्मिता के मुद्दे ज्यादातर लोगों के लिए अहमियत नहीं रखते यानी राष्ट्र प्रथम के ऊपर महंगाई और बेरोजगारी भारी पड़ रही है।

बेहतर शासन की कवायद की जगह आरक्षण और संविधान बचाने के सब्जबाग लोगों को शायद ज्यादा अपील कर रहे हैं। ऐसा है तो भारत जैसे राष्ट्रीय गौरव-गरिमा और सांस्कृतिक चेतना की पहचान रखने वाले देश के लिए चिंता की बात मानी जाएगी क्योंकि न तो निवर्तमान सरकार आरक्षण खत्म करने जा रही है, और न संविधान ही बदला जाएगा। यह एनडीए के घोषणापत्र में प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। राजनीति के जानकारों की मानें तो यह भी हो सकता है कि कुछ लोगों के निहित स्वार्थ केंद्र और राज्य सरकार चुनते समय राष्ट्रीय मुद्दों से दूर रखने का कार्य कर रहे हों। लोग अपने जातिगत, मजहबगत और क्षेत्रगत भावनाओं से ऊपर निकलना न चाह रहे हों यानी व्यक्तिगत निहित स्वार्थ न पूरा हो पाने के कारण बहुत छोटे-मोटे मनमुटाव मतदान से दूर हों, या गर्मी की वजह भी लोगों को मतदान करने में रुकावट पैदा कर रही हो।

दरअसल, राष्ट्रवादी भावना का उद्वेग भारत में खास मौकों पर ही देखा जाता है। आजादी के बाद पिछले 76 वर्षों में राष्ट्र प्रथम के कर्त्तव्यबोध का संचार सतत राष्ट्र जागरण के तौर पर हुआ ही नहीं। जैसे दुनिया के तमाम देशों में हुआ। यही वजह है कि राष्ट्रभाषा, राष्ट्र सुरक्षा, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रहित पर केंद्रित चुनाव हुए ही नहीं। देश-दुनिया में जैसी भारत की साख है, उस पर केंद्रित राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्र चेतना से ताल्लुक रखने वाले मुद्दे अब नारों में सुनाई पड़ते हैं, और न दलों के चुनावी घोषणापत्रों में। हां, खुद को राष्ट्रवादी दल कहने वाले दलों के चुनावी घोषणापत्र में इस पर चर्चा जरूर शामिल है। व्यक्ति, परिवार और जाति-मजहब केंद्रित दलों की स्वार्थवादी सोच ने भारत की साख, शक्ति और अस्मिता के सवालों को कभी तवज्जो दी ही नहीं। इसका परिणाम यह हुआ कि व्यक्तिगत हितसाधन और महज आत्म-केंद्रित क्षुद्र स्वाथरे की ही पूर्ति होती रही। राष्ट्र प्रथम के बारे में सोचा ही नहीं गया। इससे आंचलिक क्षत्रपों के पारिवारिक और सामाजिक हितसाधन होते रहे, लेकिन राष्ट्र और सर्वहित हमेशा पीछे छूटता रहा।

मूल्याधारित राजनीति अब बीते जमाने की बात हो चुकी है। इसलिए राजनीतिक दलों से मूल्याधारित राजनीति और बेदाग छवि वाले नेताओं के नेतृत्व की आशा भी नहीं की जा सकती। यही वजह है कि दागदार नेताओं की बड़ी तादाद भारतीय राजनीति का हिस्सा बन चुकी है, और उनके खिलाफ कोई आक्रोश कहीं दिखाई नहीं दे रहा। आज का भारतीय समाज अर्थ केंद्रित है। गुण, ज्ञान, अनुभव और प्रतिभा का मूल्यांकन अच्छी नौकरी पाने या व्यापार में खूब मुनाफा कमाने तक सीमित हो गया है। यही वजह है कि आम चुनाव में विपक्ष द्वारा बार-बार सब को नौकरी देने जैसे असंभव माने जाने वाले कार्य को हवा दी जा रही है।

रेवड़ियों को बांटने और किसानों की कर्जमाफी के जो वादे किए जा रहे हैं, वे सत्ता हथियाने के हथियार ही नजर आ रहे हैं।

यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की बात कही जा रही है तो उन सभी मुद्दों, समस्याओं, विसंगतियों और खामियों पर ईमानदारी से गौर करना होगा जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में रुकावट हैं। बढ़ती आबादी, घटते संसाधन और लोगों की अति महत्त्वाकांक्षा को पूरा करने की चुनौती केंद्र में आने वाली सरकार के सामने होगी ही। ऐसे में संकीर्ण दायरों और सोच से बाहर आना होगा। तभी भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया को अपनी ताकत का अहसास करा सकेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल राष्ट्र प्रथम की भावना से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

एनएसयूआई ने एसजीआरआर मैनेजमेंट का फूंका पुतला

संवाददाता

देहरादून। एसजीआरआर मेडिकल कालेज में एमडी के छात्र की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने डीएवी कालेज के गेट पर नारेबाजी करते हुए एसजीआरआर मैनेजमेंट का पुतला दहन किया।

आज यहां एनएसयूआई के कार्यकर्ता डीएवी कालेज गेट पर एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने एस.जी.आर.आर मैनेजमेंट के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डी.ए.वी. महाविद्यालय के गेट पर एसजीआरआर मैनेजमेंट का पुतल दहन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव अनन्त सैनी ने कहा कि एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज में एमडी के छात्र डॉ दिवेश गर्ग की मौत की गहनता से जाँच हो एवं मौत के पीछे की असली वजह का पता लगाया जायें एवं दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा हो ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान अनंत सैनी प्रदेश महासचिव, जिलाध्यक्ष प्रकाश नेगी, हरीश जोशी, प्रांचल नौनी, पुनीत राज, नीलक्षी, निकिता, आकृति, हर्षित बोरा, अतुल पंवार, हिमांशु, बसंत, आकाश नौटियाल आदि एनएसयूआई कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

दुकान का किराया मांगने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी

संवाददाता

देहरादून। टी स्टेट बंजारावाला निवासी नीमा थपलियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी टी-एस्टेट, बंजारावाला, देहरादून की एक दुकान 8 हजार रूपये प्रतिमाह की दर से आशु जैसवाल व शिवानी तोमर ने एक जून 2023 को किराये पर ली थी। तीन माह का किराया देने के बाद शिवानी तोमर द्वारा किराया देना बन्द कर दिया गया। जब भी वह शिवानी तोमर से किराये की बकाया धनराशि मांगती तो शिवानी तोमर द्वारा टालमटोल की गई। अक्टूबर-2023 को, जनवारी-2024 को तथा 4 मई 2024 को जब उसके द्वारा अपनी किराये की धनराशि मांगने गई तो शिवानी तोमर व उसकी माता गीता तोमर आदि द्वारा उसको गन्दी गन्दी गालियां देकर व जान से मारने की धमकी दी गई तथा उसकी माता श्रीमती शैला देवी द्वारा शिवानी तोमर व उसकी माता गीता तोमर को समझाने का प्रयास किया गया तो शिवानी तोमर व उसकी माता गीता तोमर ने उसकी माता श्रीमती शैला देवी का दांया हाथ मोड़ा, जिससे कि उनके दांये हाथ में गंभीर चोट आई।

विधायक के समक्ष रखी विश्रामगृह बनाये जाने की मांग

संवाददाता

देहरादून। भ्रमण पर आये विधायक पुरोला दुर्गेश लाल के समक्ष क्षेत्रवासियों ने बर्नीगार्ड व लाखामण्डल पुल पर यात्रियों के लिए विश्रामगृह बनाये जाने की मांग रखी।

आज यहां शिव नगरी लाखामंडल में विधायक पुरोला दुर्गेश लाल यात्रियों की सुविधा एवं व्यवस्था के लिए बर्नीगार्ड से लाखामंडल भ्रमण पर पहुंचे। जिसमें लाखामंडल मंदिर के पुजारियों एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष बचना शर्मा ने मांग रखी है कि बर्निंग गार्ड पुल व लाखामंडल पुल पर एक यात्री विश्रामगृह बनाया जाए जिससे यात्रियों के लिए बैठने की व्यवस्था हो सके और इन दोनों पुल के पास एक पानी का फ्रिज लगाया जाए। क्योंकि इस रोड से काफी श्रद्धालु शिव मंदिर लाखामंडल यमुनोत्री गंगोत्री दर्शन करने आते हैं पानी की व्यवस्था होनी अति आवश्यक है। यह प्रस्ताव विधायक को दिया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता बाबूराम शर्मा द्वारा लाखामंडल ने पुरोला विधायक दुर्गेश लाल को मंदिर दर्शन करवाए गए जिसमें मौजूद रहे पंडित केशव राम शर्मा, पंडित महिमा नंद गॉड, पंडित भगत राम शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता बाबूराम शर्मा, उपाध्यक्ष बचना शर्मा मंडल कंवासी भाजपा, ओम प्रकाश मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा भाजपा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद थे।

ब्राह्मण महासभा ने भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा ने भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर वृक्षारोपण किया।

आज यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक व कांग्रेसी नेता पीयूष गौड़ ने भारू वाला ग्रांट में वार्ड 79 के अंतर्गत राजीव कॉलोनी में जोत प्रज्वलित कर कीर्तन का शुभारंभ किया।

कीर्तन में मुख्य भजनों में भक्तजन झूम उठे और नाचने लगे मुख्य भजनों में और सुन ले मेरे बाबा, श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने में, जरा ओले ओले नाचो रे गणेश, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है, उसके उपरांत आरती हुई पौधारोपण एवं पौध वितरित कार्यक्रम किया गया। राजीव कॉलोनी के मंदिर में

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड के संरक्षक पीयूष गौड़ और अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने चिरंजीवी भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के पौधारोपण श्रृंखला को आगे बढाते हुए रुद्राक्ष और बेलपत्र के पौधों को पौधारोपण किया और आए हुए श्रद्धालुओं को तुलसी के पौधे वितरित किए।

इस अवसर पर पीयूष गौड़, रूपचंद अंजना, रवि विश्वास राय, सुरेंद्र सिंह थापा, डबर राय, ललित थापा, आर बी तामांग, श्रीमती बीना, श्रीमती कुसुम, श्रीमती रेखा, कुमारी रेखा, रीना थापा, कमला, श्रीमती स्वाति, सीमा, शिवानी कुसुम, पूजा, बबली, शांति, मन बहादुर राणा, धीरेंद्र सिंह छेत्री, ने अपनी भागीदारी निभाकर भगवान परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया ।

घोर निंदनीय घटना

स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर की गई कथित मारपीट आप राजनीति की हिंसक कार्यशैली का एक घोर निंदनीय घटना है।

यह भरोसा करना मुश्किल हो रहा है कि 'दिल्ली का बेटा' कहे जाने वाले अरविंद केजरीवाल के रहते उनका निजी सचिव विभव कुमार महिला सांसद की बुरी तरह से धुनाई करेगा। स्वाति ने लिखित शिकायत में कहा है कि विभव ने थप्पड़ों, लात-घूसों से, उनके चेहरे, पेट एवं निजी अंगों पर अंधाधुंध प्रहार किया है।

दिल्ली पुलिस ने इस राज्य सभा सांसद के आवास पर जाकर उनके लिये बयान के बाद विभव के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। सभ्य-सम्मानजनक एवं न्यायपूर्ण व्यवहार का भरोसा पहले दिल्ली और अब पूरे देश को देने वाला परिसर एक शातिर आखेटस्थल के रूप में सामने आया है।

स्वाति ठीक से चल नहीं पा रही हैं एक वीडियो में यह दिखा है। आप की ही एक नेता इसे नौटंकी बता रही हैं। वे घटना के तुरंत बाद थाना जाने के आपातकालीन उत्साह के जैविक स्रोत में और हादसे के बाद उभरने वाली पीड़ा से उत्पन्न असहायता में जानबूझकर फर्क नहीं कर पा रही हैं।

यह प्रतिक्रिया आप की कार्यसंस्कृति की भी झलक देती है। खुद मुख्यमंत्री ने इस पर अफसोस जाहिर नहीं किया है और न उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने। जो पति की विरासत सम्हालने की कतार में दूसरे नम्बर पर हैं; एक महिला होने के नाते भी स्वाति से हमदर्दी जता सकती थीं। यहां तक कि सांसद संजय सिंह ने जो मालीवाल से बातचीत करें न्याय का भरोसा दिलाया था, वे खुद विभव के साथ देखे गए। खुद मुख्यमंत्री भी।

हालांकि स्वाति ने इस घटना की वजह नहीं बताई है पर यह लगता है कि जो कुछ और जैसे हुआ है, उसमें मुख्यमंत्री एवं उनकी पत्नी सहित उच्चस्तरीय सहमतियां हैं। एक अनुमान अंतरिम जमानत दिलाने वाले वकील को स्वाति से सांसदी छीन कर उन्हें सौंप देने का है। मुख्यमंत्री के जेल जाने के पहले और बाद में स्वाति की बगैर अनुमति की अनुपस्थिति नेतृत्व की खीझ व नाराजगी भी एक अनुमान है। तीसरा अनुमान राज्य सभा में कुछ आप सांसदों के तटस्थ बर्ताव से नेतृत्व के नाखुश होने का है, लेकिन इसे व्यक्त करने का और भी कई बेहतर तरीका हो सकता था। इसके परिणामों को किन्हीं राजनीतिक बाध्यताओं से न प्रभावित होने दिया जाए और न किन्हीं पूर्वाग्रहों से उसकी बेलाग निष्पक्षता को। कानून अपना काम करे। (आरएनएस)

भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम

भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रख्यात व सार्वजनिक हस्तियों को जिम्मेदार व्यवहार करना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि विज्ञापन जारी करने की अनुमति से पहले केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के अनुसार, विज्ञापनदाताओं से स्वघोषणापत्र हासिल किया जाए। इस कानून का नियम 7 विज्ञापन संहिता का प्रावधान करता है जिसमें कहा गया है कि विज्ञापन देश के कानूनों के अनुरूप बनाए जाने चाहिए। अदालत पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। ये विज्ञापन निषिद्ध किए जा चुके हैं।

पीठ ने संबद्ध केंद्रीय मंत्रालयों को भी इन भ्रामक विज्ञापनों व केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा की गई या प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा। प्रचार व विज्ञापन उपभोक्ता को प्रभावित करने में महती भूमिका निभाते हैं। उस पर जब यह किसी प्रख्यात या सार्वजनिक शख्सियत द्वारा किया जा रहा हो तो आम जनता को खास तौर पर प्रभावित करता है। इस मामले में तो कोविड टीकाकरण व आधुनिक चिकित्सा पण्राली को सीधा निशाना बनाया गया था जिस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की जिस पर सुनवाई चल रही है।

इसमें संदेह नहीं कि लाभ के लोभ में कंपनियां भ्रामक प्रचार द्वारा सालों-साल जनता को बरगलाती रहती हैं। संबंधित मंत्रालय व विभाग इनके प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने से मुंह फेर लेते हैं। निराधार दावों, अतिरंजित बातों, छद्म दावों व अनुचित सूचना वाले तथा असुरक्षित उत्पादों से उपभोक्ताओं को प्रभावित कर रहे तमाम विज्ञापन अभी भी बेधडक़ प्रकाशित/प्रचारित हो रहे हैं जो बच्चों के कोमल मन को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं, युवाओं को दिग्भ्रमित व बुजुगरे को भ्रमित कर रहे हैं।

नियमों की अवहेलना करते हुए नामदार शख्सियत धन के लोभ में इनका बेतहाशा प्रचार करती हैं जिनके आधार पर कहना ज्यादती नहीं होगा कि वे उपभोक्ताओं के अधिकारों को तरजीह देने को राजी नहीं। ऐसा सिर्फ इसीलिए हो रहा है क्योंकि समूची व्यवस्था अपनी जिम्मेदारियों के प्रति घोर लापरवाही बरतती है। बात अकेले पतंजलि की नहीं है। इसे उदाहरण मान कर संबंधित मंत्रालयों व विभागों को सतर्क हो जाना चाहिए। न कि एक-एक विज्ञापन को लेकर अदालतों का दरवाजा खटखटाने वालों के इंतजार में बैठे रहना चाहिए। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

लाल केला खाना होता है स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

बाजार में साधारण पीले केले के अलावा लाल रंग का केला भी मिलता है। लाल केले के छिलके का रंग गाढ़ा लाल और बैंगनी होता है और यह दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।इसकी मिठास पीले केले जैसी ही होता है, लेकिन इसमें हल्का रैस्पबेरी जैसा स्वाद भी होता है। इसमें केरोटीन और विटामिन सी होता है, जो कोशिकाओं के स्वास्थ्य को सुधारता है।लाल केले को डाइट में जोडऩे से आपको ये 5 लाभ मिलेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, 100 ग्राम पके लाल केले में फाइबर की मात्रा 2 ग्राम होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लाल केले में अघुलनशील फाइबर की मौजूदगी पाचन में सहायता करती है।इस फल को खान-पान का हिस्सा बनाने से कब्ज की परेशानी को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा लाल केले एक प्रीबायोटिक होते हैं, जिनमें फरुक्टो-ऑलिगोसेकेराइड होता है।यह आंत के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

लाल केला पोटैशियम का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हृदय के कामकाज में मदद करता है। इस फल में इलेक्ट्रोलाइट्स और पोटाशियम होता है, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधारने में एक अहम भूमिका निभाता है।पोटेशियम की कमी (हाइपोकैलिमिया) उच्च रक्तचाप और हृदय की मांसपेशियों की कमजोरी का कारण बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते है कि लाल केले को आहार में शामिल करने से पोटेशियम की दैनिक आवश्यकता का औसतन 15 प्रतिशत मिलता है।

100 ग्राम लाल केले में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा 25 ग्राम होती है। वैसे तो इसका ब्लड शुगर के प्रबंधन से सीधा संबंध नहीं है, लेकिन मधुमेह रोगी इसका सेवन कर सकते है। इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) और आहार फाइबर कम होता है। जीआई यह मापने के लिए उपयोग किया जाता है कि खाद्य पदार्थ ब्लड शुगर के स्तर को कितनी तेजी से बढ़ाते हैं। इस पैमाने पर लाल केले का अंक लगभग 45 है, जो बेहद कम माना जाता है।

एक शोध के अनुसार, लाल केले में मौजूद बीटा-कैरोटीन विटामिन ए का भाग है। यह हमारी आखों की रोशनी को सुधारने में मदद कर सकता है।लाल केले बीटा-कैरोटीन के साथ-साथ ल्यूटिन का अच्छा स्रोत होते हैं, इसलिए ये दृष्टि को सुधार सकते हैं। ये विशेष रूप से उम्र से संबंधित मैकुलर अपघटन को रोकने में मदद करते हैं, जो आखों को खराब करने वाला एक नेत्र रोग है।

लाल और पीले दोनों केले ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन दोनों में से एक में अधिक पोषण मौजूद होता है।लाल केले में 1.29 ग्राम प्रोटीन, 0.29 ग्राम वसा, 1.98 ग्राम फाइबर, 6.74 ग्राम विटामिन-सी और 25.2 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है। वहीं, पीले केले में 1.23 ग्राम प्रोटीन, 0.33 ग्राम वसा, 1.94 ग्राम फाइबर, 4.74 ग्राम विटामिन- सी और 23.63 ग्राम कार्बोहाइड्रेट होता है।लाल केले में मौजूद बीटा कैरोटीन और विटामिन सी पीले केले से ज्यादा होते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -89

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

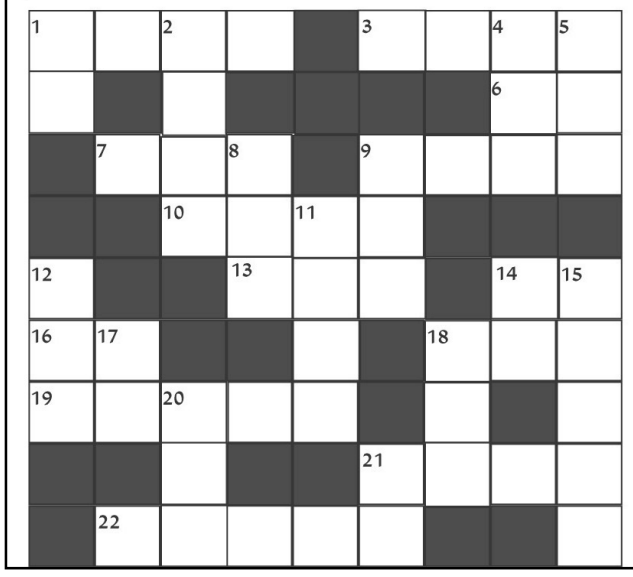

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

पुष्पा-पुष्पा ने किया वर्ल्डवाइड धमाका, 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज किया हासिल

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की मोस्ट से भी मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 द रूल की रिलीज का इंतजार तो उनके फैंस बेसब्री से कर रहे है। फिल्म का हाल ही में पहला गाना पुष्पा-पुष्पा रिलीज हुआ है। सॉन्ग पुष्पा-पुष्पा तेलुगू और दिंही समेत 6 भाषाओं में रिलीज हुआ है। पुष्पा-पुष्पा में अल्लू अर्जुन का डांस एक बार फिर छा गया है। इसमें साउथ सुपरस्टार के तीन पॉपुलर स्टेप्स हैं, जिसमें शूज, चाय और मोबाइल स्टेप्श शामिल हैं। अब सॉन्ग पुष्पा-पुष्पा यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। पुष्पा-पुष्पा ना सिर्फ घरेलू बल्कि इंटरनेशनल ऑडियंस को भी हिट कर रहा है। अब सॉन्ग पुष्पा-पुष्पा ने अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड कर लिया है।

पुष्पा-पुष्पा पहला ऐसा गाना बन गया है, जिसने 6 भाषाओं में सबसे जल्दी 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज हासिल कर लिए हैं। वहीं, इंस्टाग्राम पर इस पर 1 लाख से ज्यादा रील्स बन चुकी हैं। इस मौके पर पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने एक पोस्ट जारी किया है, जिसमें यह आंकड़ा बताया है। बता दें, तेलुगू और हिंदी के साथ-साथ यह गाना तमिल, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषा में भी रिलीज हुआ है।

इस गाने को मिका सिंह और नकाश अजीज ने गाया है। वहीं, देवी श्री प्रसाद सॉन्ग पुष्पा-पुष्पा के कंपोजर हैं। तेलुगू में इसे नकाश अजीज, तमिल में दीपक ब्लू, हिंदी में मिका सिंह, कन्नड़ में विजय प्रकाश, मलयालम में रंजीत गोविंद और बंगाली में इसे तिमिर बिस्वास ने गाया है। फिल्म की रिलीज डेट के बारे में बता दें, यह मौजूदा साल के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म को सुकुमार ने डायरेक्ट किया है, जिसमें अल्लू अर्जुन के अपोजिट एक बार फिर रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। (आरएनएस)

फिल्म अग्नि का फर्स्ट पोस्टर रिलीज, प्रतीक दिव्येंदु की जोड़ी धमाल मचाने को तैयार

रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपनी अपकमिंग फिल्म अग्नि का फर्स्ट पोस्टर रिलीज किया। इस स्पेशल पोस्टर की थीम से पता चलता है कि इसमें फायर फाइटर्स की एक ब्रेव स्टोरी दिखाई जाएगी। फिल्म में

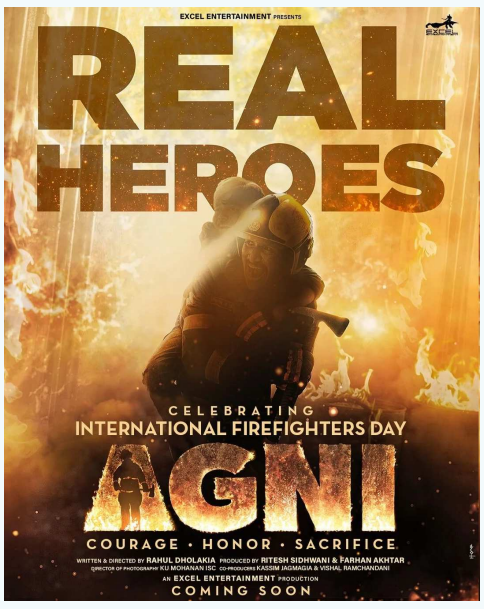

प्रतीक गांधी, दिव्येंदु, जितेंद्र जोशी, सई ताम्हणकर, सैयामी खेर, उदित अरोड़ा और कबीर शाह जैसे कलाकार शामिल हैं। राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित अग्नि एक खास कहानी होने का दावा करती है जिसमें उन रियल हीरोज की कहानी दिखाई जाएगी जो अपनी जान पर खेलकर लोगों की जान बचाते हैं।

अग्नि के इस पोस्टर में प्रतीक गांधी को धांसू लुक में देखा जा सकता है। इस पोस्टर ने फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ा दी है, साथ ही साहस, सम्मान और बलिदान का एक पावरफुल मैसेज भी गूंजता है। अग्नि के साथ, एक्सेल एंटरटेनमेंट अपने दर्शकों के लिए एक और मनोरंजक कहानी पेश करने के लिए तैयार है। इस फिल्म में प्रतीक गांधी, दिव्येंदु, जितेंद्र जोशी, सई ताम्हणकर, सैयामी खेर, उदित अरोड़ा और कबीर शाह जैसे कलाकार नजर आएंगे। कॉमेडी फिल्म मडगांव एक्सप्रेस की सफलता के बाद प्रतीक और दिव्येदु की जोड़ी को एक बड़े पर्दे पर देखना फैंस के लिए डबल डोज होगा। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, अग्नि राहुल ढोलकिया द्वारा निर्देशित है। हालांकि अभी फिल्म की रिलीज डेट ऑफिशियली सामने नहीं आई है और जल्द ही यह सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।(आरएनएस)

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज का हिस्सा बनीं अनन्या पांडे

सैम बहादुर की सफलता के बाद से ही प्रशंसक विक्की कौशल की आने वाली फिल्म बैड न्यूज का इंतजार कर रहे हैं।इस फिल्म में विक्की की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। पंजाबी गायक एमी विर्क भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री अनन्या पांडे भी बैड न्यूज की स्टार कास्ट से जुड़ गई है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ चुका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म बैड न्यूज में अनन्या मेहमान भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है।अनन्या फिल्म में एक लोकप्रिय फिल्म स्टार की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी में नया मोड़ लाएगा।बैड न्यूज 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म के निर्देशन के कमान आनंद तिवारी ने संभाली है तो वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं। अनन्या को आखिरी बार खो गए हम कहां में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई।इन दिनों अनन्या अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं।इसके अलावा अनन्या, अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म शंकरा में नजर आएंगी।फिल्म की कहानी चेट्टूर शंकरन नायर के परपोते रघु पलाट और पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर पर आधारित है।(आरएनएस)

फिल्म सवी: ए ब्लडी हाउसवाइफ का गाना हमदम हुआ रिलीज

अनिल कपूर, दिव्या खोसला कुमार और हर्षवर्धन राणे की फिल्म साविः ए ब्लडी हाउसवाइफ का पहला गाना रिलीज हो गया है। गाने का नाम हमदम है, जिसे दिव्या और हर्षवर्धन पर फिल्माया गया है। गाने के कई सीन्स के जरिए आपको फिल्मों में रणबीर के आइकॉनिक मोमेंट्स याद आ जाएंगे।

निर्माताओं द्वारा जारी किए गए ट्रैक हमदम में दिव्या खोसला कुमार और हर्षवर्धन राणे की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। गाने को विशाल मिश्रा ने अपनी आवाज दी है। विशाल मिश्रा द्वारा रचित और राज शेखर द्वारा लिखित हमदम एक रोमांटिक टोन सेट करता है जो गहराई से गूंजता है। इसके साथ के दृश्यों के माध्यम से, फिल्म दिव्या और हर्षवर्धन के किरदारों को बचपन के दोस्तों के रूप में चित्रित करती है जो बड़े होने के बाद वापस से मिलते हैं। हमदम प्यार से भरी उनकी यात्रा को खूबसूरती से दर्शाता है। हाल ही में जारी किए गए फिल्म के टीजर में सावि के रूप में दिव्या खोसला को यह कबूल करते हुए दिखाया गया कि उनके पास तीन दिनों के बाद लंदन में जेल ब्रेक की साजिश रचने और उसे अंजाम देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वे एक साधारण गृहणी हैं, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने हाथों को खून से क्यों रंगा है? यह टीजर ऐसे कई सवाल पैदा कर रहा है।

फिल्म साविः ए ब्लडी हाउसवाइफ में दिव्या खोसला के साथ अनिल कपूर और हर्षवर्धन राणे मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की पूरी शूटिंग लंदन में की गई है। किरदार देव की फिल्म का निर्माण विशेष मनोरंजन और टी-सीरीज के बैनर मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने किया है। शिव चाना और साक्षी भट्ट सह-निर्माता के रूप में शामिल हैं। यह फिल्म एक बेहतरीन एक्शन एक्शन से भरपूर है। हालांकि, यह देखने के लिए कि एक साधारण गृहिणी के जेल से पीछे की कहानी क्या है और वह इसे कैसे प्रदर्शित करती है, इसके लिए फिल्म के रिलीज होने तक का इंतजार करना होगा। यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

खूब जमी जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी

मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म चर्चा में बनी हुई है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म से कलाकारों की पहली झलक सामने आने के बाद इसकी रिलीज को लेकर उत्सकुता और बढ़ गई।फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आने वाली है और अब इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है।

राजकुमार के किरदार का नाम महेंद्र तो जाह्नवी, माही की भूमिका में हैं। स्पोर्ट्स बैकग्राउंड के साथ ट्रेलर में पारिवारिक ड्रामा भी देखने को मिल रहा है।राजकुमार के साथ जाह्नवी की केमिस्ट्री भी देखने में बढिया लग रही है।मिस्टर एंड मिसेज माही की कहानी महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित है। इससे पहले धोनी पर एम.एस धोनी- द अन्टोल्ड स्टोरी नाम की फिल्म बनी थी, जिसमें दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे।

मिस्टर एंड मिसेज माही का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। गुंजन सक्सेना के बाद यह शरण और जाह्नवी के बीच दूसरा सहयोग है, जबकि राजकुमार और शरण पहली बार साथ आए हैं।इस फिल्म की कहानी मिस्टर और मिसेज माही के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके लिए जिंदगी क्रिकेट और क्रिकेट जिंदगी है। क्रिकेट से बढक़र मिस्टर माही सिर्फ अपनी प्यारी बीवी से प्यार करते हैं।फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में आएगी।

बता दें कि राजकुमार और जाह्नवी की यह साथ में दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों को निर्माता दिनेश विजान की फिल्म रूही में देखा गया था।हालांकि, यह हॉरर कॉमेडी फिल्म दर्शकों के बीच अपना जादू चलाने में नाकाम रही थी। जाह्नवी दूसरी बार राजकुमार के साथ काम कर बेहद खुश हैं। वह कई बार उनके प्रति अपनी दीवानगी जाहिर कर चुकी हैं।जाह्नवी शुरुआत से ही राजकुमार के काम की प्रशंसक रही हैं।

देवरा जाह्नवी की पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है। इसके अलावा वह फिल्म उलझ में नजर आएंगी। आरआरआर स्टार राम चरण की अगली फिल्म की हीरोइन भी जाह्नवी ही हैं। करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी जाह्नवी के पास है।दूसरी ओर राजकुमार जल्द ही फिल्म स्त्री 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी उनके खाते से जुड़ी है, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी उनकी जाड़ीदार बनी हैं।

तभी सफलता की उम्मीद

भारत डोगरा

धरती पर लाखों वर्षों से लाखों तरह के जीवन रूप फलते-फूलते रहे हैं। यह इस कारण संभव है क्योंकि धरती पर इतने विविध जीवन को पनपाने वाली विशिष्ट स्थितियां मौजूद हैं जैसे कि सूर्य का प्रकाश और ऊष्मा, पर्याप्त मात्रा में जल, वायुमंडल में विभिन्न गैसों की विशेष अनुपात में उपस्थिति आदि।

हालांकि धरती पर समय-समय पर बड़ी उथल-पुथल हुई है, जैसे कि वह भारी उथल-पुथल जिसके कारण डायनोसोर लुप्त हुए, पर यह कभी धरती के किसी जीवन-रूप की कार्यवाहियों के कारण नहीं हुई।

बीसवीं शताब्दी में पहली बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि धरती के किसी जीवन-रूप (मनुष्य) की कार्यवाहियों से धरती की जीवन-रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ी हों। यह स्थिति सर्वप्रथम 1945 में परमाणु बम गिराने से आरंभ हुई। उसके बाद तो परमाणु हथियारों के साथ अनेक अन्य महाविनाशक हथियारों की एक दौड़ ही आरंभ हो गई। इस समय 9 देशों के पास 12500 से अधिक परमाणु हथियार हैं। यदि कभी इनमें से मात्र 5 से 10 प्रतिशत का वास्तव में उपयोग हो गया, तो पूरी धरती का जीवन नष्ट हो सकता है। रासायनिक और जैविक हथियारों पर विश्व में अनेक वर्षों से प्रतिबंध लगा हुआ है पर समय-समय पर संकेत मिलते रहते हैं कि चोरी-छिपे इन पर अनुसंधान जारी हैं।

इसके अतिरिक्त अनेक वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी भी दी है कि अनेक तरह के संदिग्ध माने जाने वाले जैव अनुसंधान (जैसे गेन ऑफ फंक्शन रिसर्च) से ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जो जैविक हथियारों के उपयोग जितनी ही खतरनाक हैं (जैसे कि प्राकृतिक स्थिति में जो वायरस हैं उनसे अधिक खतरनाक वायरस का प्रसार)। चाहे यह प्रयोगशालाओं में किसी दुर्घटना के कारण ही हो, पर इसका असर जैविक हथियार के उपयोग जितना ही खतरनाक है।

अंतरिक्ष के सैन्यकरण की ओर हाल के वर्षों में जो कदम बढ़ाए गए हैं, वे भी उतने ही खतरनाक हैं जितना कि महाविनाशक हथियारों का प्रसार है। खतरनाक हथियारों में जिस तरह एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है, वह अनेक नई खतरनाक संभावनाओं को उत्पन्न करता है जिसके बारे में अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं।

वर्ष 1945 के बाद के लगभग आठ दशकों में महाविनाशक हथियारों का यह खतरा बढ़ता ही गया है। इसके साथ-साथ अनेक पर्यावरणीय समस्याएं भी यह रूप ले रही हैं कि उनसे धरती की जीवन रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ जाएं। इनमें सबसे चर्चित समस्या जलवायु बदलाव की है पर इसके साथ लगभग दर्जन भर अन्य गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं भी हैं जो कई स्तरों पर आपस में जुड़ी हुई भी हैं।

इन बढ़ते खतरों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय और नेतृत्व की ओर से कोई ऐसा बड़ा प्रयास नहीं हो सका है, जो असरदार ढंग से धरती की जीवनदायिनी क्षमता को क्षतिग्रस्त करने वाले इस बहुपक्षीय संकट का सामना करने का और इसे समय रहते सुधारने का विश्वास उत्पन्न कर सके। वास्तव में यह मौजूदा विश्व व्यवस्था की सबसे बड़ी विफलता है। इससे महत्त्वपूर्ण भला और क्या हो सकता है कि धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं को बचा कर रखा जाए? पर इसे अभी तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता के रूप में नहीं अपना सका है।

यह सच है कि जलवायु बदलाव पर चर्चा बहुत हुई है, पर इससे जुड़े वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कई बार बताया है कि जिन लक्ष्यों को प्राप्त करना जरूरी है, उनसे अभी हम बहुत दूर हैं। फिर जलवायु बदलाव कोई एकमात्र ऐसी गंभीर पर्यावरणीय समस्या तो है नहीं जो धरती की जीवनदायिनी स्थिति को प्रभावित करती है। ऐसी अनेक समस्याएं हैं और वे भी विकट हो रही हैं। हमें यह भी ध्यान में रखना होगा कि ग्रीनहाऊस गैसों की वृद्धि के अपने 'टिपिंग प्वॉइंट' भी हैं और इस सीमा-रेखा के बाहर जाने पर समस्या तेजी से नियंत्रण से बाहर जा सकती है।

जहां तक महाविनाशक हथियारों की दौड़ और होड़ का सवाल है तो इसे नियंत्रित करने के लिए पहले कई समझौते हुए जिनमें से अनेक अब रद्द हो चुके हैं, या इनका सीमा काल समाप्त होने के बाद इनका नवीनीकरण नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त इन महाविनाशक हथियारों को अपने टारगेट तक पहुंचाने की अधिक से अधिक तेज क्षमता यानी कम से कम समय में विध्वंस करने की क्षमता भी बढ़ती जा रही है। जब चंद मिनटों में महाविनाश करने की क्षमता ही जाए तो फिर इसे समय पर रोक पाने की या भूल-सुधार की क्षमता अपने आप न्यूनतम हो जाती है। ऐसे में यह संभावना भी बढ़ जाती है कि एक-दूसरे की आक्रामकता की गलत पहचान के आधार पर ही कोई बड़ा विनाश हो जाए।

इन सब संभावनाओं और स्थितियों को देखते हुए हम संक्षेप में कह सकते हैं कि धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं के संकट के तीन पक्ष हैं। एक, 12500 के आसपास परमाणु हथियार एकत्र होने के साथ अनेक महाविनाशक हथियारों और अंतरिक्ष के सैन्यकरण में बढ़ावा. और दूसरा, जलवायु बदलाव सहित लगभग दर्जन भर गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं की उपस्थिति। इन दोनों समस्याओं के समय रहते संतोषजनक समाधान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय, नेतृत्व और संस्थानों की अभी तक की विफलता। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अनेक महत्त्वपूर्ण प्रयासों की जरूरत है।

समाधानों की दिशा में निम्न महत्त्वपूर्ण कदमों पर गंभीर विचार होना चाहिए। एक मुख्य पहल तो यह होनी चाहिए कि अगले दशक को विश्व स्तर पर धरती की रक्षा के दशक में स्वीकृति मिलनी चाहिए। इस दशक को इस रूप में अपनाया जाना चाहिए कि इस दौरान धरती की जीवन-रक्षक स्थितियों को उच्चतम प्राथमिकता दी जाएगी तथा इस प्राथमिकता के अंतर्गत बहुत से महत्तपूर्ण कार्य किए जाएंगे। अगले दशक को ऐसी मान्यता विश्व स्तर पर प्रदान करवाने के लिए एक अभियान इस लेखक ने भी वर्षों से आरंभ किया हुआ है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण कदम यह हो सकता है कि इस उच्च प्राथमिकता को समग्र रूप में आगे ले जाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संस्थान की स्थापना की जाए। इस समय इस समस्या के विभिन्न पक्षों पर कुछ संस्थान कार्य कर रहे हैं जैसे कि जलवायु बदलाव पर, समुद्रों का पर्यावरण बचाने पर, अंतरिक्ष के सैन्यकरण को रोकने पर और महाविनाशक हथियारों के प्रसार को रोकने पर।

अब जरूरत यह है कि ऐसे सभी पक्षों पर समग्र रूप से कार्य करना और इसके लिए प्रतिबद्ध एक महत्त्वपूर्ण संस्थान की विश्व स्तर पर जरूरत है। इन दो प्रयासों का उचित उपयोग करते हुए लाखों की संख्या में ऐसे नागरिकों को तैयार करने की जरूरत दुनिया भर में है, जो इस सबसे बड़ी समस्या को भली-भांति समझें तथा इसके समाधान के लिए निरंतरता से कार्य करें। यह समाधान केवल चंद विश्व नेताओं के सम्मेलनों से प्राप्त नहीं होंगे। जब करोड़ों लोग धरती-रक्षा के अभियान से जुड़ेंगे तभी सफलता की उम्मीद होगी।

सू- दोकू क्र. 89

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.88 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

आर्थिक असमानता कम करने में बनें मददगार

अशोक शर्मा

दुनिया के सबसे अमीर लोगों के पचास शहरों की सूची में भारत के मुम्बई व दिल्ली का नाम भी आया है। साथ ही बेंगलूरु को अगले दशक के सबसे तेज बढ़ते करोड़पतियों के शहर के रूप में दर्ज किया गया है। वहीं एक खबर यह भी है कि दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने सबसे ज्यादा धन अपने घर भेजा। दोनों ही तथ्य देश में बढ़ती समृद्धि की ओर संकेत करते हैं। लेकिन इस उपलब्धि का धुंधला पक्ष यह भी है कि हमारे यहां आर्थिक असमानता के बीच खाई घटने की बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है।

सीधे तौर पर कहें तो अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, गरीब और गरीब। इसमें दो राय नहीं है कि हमारे महानगर कारोबारी दृष्टि से बड़े केन्द्र हैं। औद्योगिक प्रगति व निवेशकों के लिए बनने वाले अनुकूल माहौल के कारण भी महानगरों में तरक्की की रफ्तार ज्यादा होती है। मुम्बई और दिल्ली में करोड़पतियों की संख्या में अस्सी फीसदी से ज्यादा की ग्रोथ हुई है। ऐसी ग्रोथ जब भी होती है तो अमीर-गरीब के बीच खाई को कम करने के प्रयासों को और गति देने की जरूरत भी महसूस होती है।

यह बात सही है कि कोरोना के बाद युद्ध और जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था भी संकट से गुजर रही है, लेकिन भारत ने इस दिशा में संतोषजनक प्रगति की है। पिछले डेढ़ दशक में ही जो प्रयास किए गए, उनसे करोड़ों लोग गरीबी से उबरने में सफल हुए हैं। दो माह पहले ही एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया था कि अगले पांच साल में भारत में 'सुपर रिच' लोगों की तादाद बढ़ेगी। यह भी एक तथ्य है कि आर्थिक असमानता की बड़ी वजह कल्याणकारी योजनाओं की जरूरतमंद लोगों तक पहुंच नहीं होना भी है।

एक तरफ करोड़पतियों के शहरों की सूची में हमारे देश के शहरों के नाम गौरव की अनुभूति देते हैं तो दूसरी ओर यह तथ्य भी चिंता पैदा करता है कि आबादी का बड़ा हिस्सा अपने को आर्थिक रूप से मजबूत कर ही नहीं पा रहा। बेरोजगारी और महंगाई जैसे कारण इसके लिए जिम्मेदार तो होते ही हैं, अमीर होते लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठते हैं। ऐसा इसलिए कि जो लोग 'सुपर रिच' की श्रेणी में आ रहे हैं, वे असमानता दूर करने की दिशा में खास रुचि नहीं दिखाते। यह भी एक तथ्य है कि यह वर्ग भारतीय संसाधनों का इस्तेमाल करने के बाद ही करोड़पतियों की श्रेणी में आया है। करोड़पतियों के शहर बढने चाहिए, लेकिन इस वर्ग को गरीब लोगों के लिए आय के अधिक साधन उपलब्ध कराने में मददगार बनना होगा, तब जाकर ही आर्थिक असमानता कम हो सकेगी।

टॉइलट से ज्यादा बैक्टीरिया होते हैं दरवाजों के हैंडल पर

एक अध्ययन में बताया गया है कि पब्लिक टॉइलट में सीट से ज्यादा बैक्टीरिया दरवाजों के हैंडल और टेप्स में होते हैं। इतना ही नहीं टॉइलट सीट से ज्यादा संक्रमित होता है आपका मोबाइल फोन।

महिलाएं अक्सर पब्लिक टॉइलट का प्रयोग करने से हिचकिचाती हैं। वह टॉइलट करने के लिए सीट पर बैठने की बजाए केवल काम चला लेती है। बता दें कि आप जिस सीट पर बैठने से इतना परहेज करती हैं दरअसल उससे ज्यादा बैक्टीरिया तो दरवाजों के हैंडल पर होते हैं, जिनको आप हाथ धोने के बाद पकड़कर दरवाजा खोलती हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मनुष्य के फीकल मैटर (मल) में कई घातक बैक्टीरिया के अलावा रोगाणु भी होते हैं, जिनके संपर्क में आने से गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। लेकिन बात की जाए पब्लिक टॉइलट की तो एक्सपर्ट्स का मानना है कि टॉइलट की सीट से बैक्टीरिया का संक्रमण फैलने की आशंका बहुत कम होती है।

एम्स की चौथी मंजिल पर गाडी ले जाने के मामले की जांच की कमान एसएसपी ने सम्भाली, पहुंचे एम्स

संवाददाता

देहरादून। एम्स अस्पताल की चौथी मंजिल में पुलिस की गाडी ले जाने के मामले की जांच एसएसपी अजय सिह ने स्वंय सम्भालते हुए एम्स पहुंचकर पडताल शुरू कर दी। आज यहां एसएसपी अजय सिंह एम्स अस्पताल पहुंचे। एम्स अस्पताल की चौथी मंजिल पर पुलिस की गाडी पहुंचने की वीडियों वायरल होने के मामले को एसएसपी ने गम्भीरता से लिया। उन्होंने एम्स अस्पताल पहुंच कर डायरेक्टर व सिक्योटी इंचार्ज के साथ प्रकरण के सम्बन्ध में बैठक की। जिसके बाद एसएसपी ने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया। प्राथमिक जानकारी में जो तथ्य प्रकाश में आए उनमें दिखायी जा रही वीडियो इमरजेंसी वार्ड की ना होकर मरीजों के लिए एडमीशन से पूर्व बनायी गयी वेटिंग गेलरी की होना ज्ञात हुआ है। प्राथमिक जानकारी में छेडखानी के आरोपी को उक्त परिस्थितियों में बाहर निकालने के लिए सिक्योटी ऑफिसर द्वारा ही उक्त एमरजेंसी रास्ते का प्रयोग करने के सम्बन्ध में गाईड किया जाना प्रकाश में आया।

छात्र की मौत पर कॉलेज के प्रोफेसरों व प्रबन्धक कमेटी पर मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। एसजीआरआर मेडिकल कालेज के छात्र की मौत पर कॉलेज के प्रोफेसरों व प्रबंधक कमेटी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पलवल हरियाणा निवासी रमेश चन्द गर्ग ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने बेटे दिवेश गर्ग का दाखिला एसजीआरआर मेडिकल कॉलेज सितम्बर 2023 में कराया था उसने फीस 37 लाख 95 हजार रूपये जमा करा दिये थे। अक्टूबर 2023 को उसका बेटा पढाई के लिए विश्वविद्यालय में आ गया था। पढाई शुरू होने के कुछ दिन बाद ही एचओडी उत्कर्ष शर्मा व प्रोफेसर आशीष सेठी, प्रोफेसर बिन्दु अग्रवाल व प्रबन्धक कमेटी ने उसके बेटे दिवेश को मानसिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया। दिन में 104 बुखार होने के बाद भी लगातार 36-36 घंटे कार्य करवाना सोने नहीं दिया गया। उसके बेटे ने फोन पर उसको यह सब बातें बतायी और रोने लगा था। उसने अपने बेटे को समझाया और कॉलेज में जाकर उसने एचओडी उत्कर्ष शर्मा व अन्य से बात की तो उन्होंने उसको आश्वासन दिया कि अब ऐसी कोई बात नहीं होगी। 17 मई को उसके बेटे का फोन आया और उसने बताया कि एचओडी उत्कर्ष शर्मा ने उसकी थीमिस को दूसरी बार रिजेक्ट कर दिा और पास करने के लिए पांच लाख रूपये की मांग कर रहे है। प्रोफेसर आशीष सेठी ने उसको कैपस में मरीजों के सामने गालियां दी और बेइज्जती की। जिसके बाद उसके बेटे ने मानसिक प्रताडना के चलते आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चित्रांचल कल्याण समिति ने निर्धन छात्रों को पुस्तकें वितरित की

संवाददाता

देहरादून। चित्रांचल कल्याण समिति ने एसएनएसएम पब्लिक स्कूल के छात्रों को किताबें वितरित की।

आज यहां चित्रांचल कल्याण समीति द्वारा एस एन एस एम पब्लिक स्कूल मे निर्धन छात्र छात्राओ को पाठ्यक्रम की सम्पूर्ण किताबो को इनके पैरेंट्स की उपस्थिति मे सहायतार्थ उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर चन्द्रगुप्त विक्रम, अर्जुन भारद्वाज, डॉक्टर अजीत गैरोला, समिति के सचिव रोहित कोचवे सहित स्कूल के प्रधानाचार्य तथा अन्य शिक्षक मौजूद रहे। बच्चो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी इस दौरान प्रस्तूत किये गये।

सिलेन्डर फटने से दो बच्चों सहित चार लोग झुलसे, अफरा-तफरी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। चाय बनाने के दौरान सिलेन्डर फटने से घर में लगी आग की चपेट में आकर दो बच्चों सहित चार लोग झुलस गये। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर सर्विस ने मौके पर पहुंच कर जहां आग को बुझाया गया वहीं घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार हल्द्वानी में पीली कोठी क्षेत्र में सिलेंडर फटने से अफरा-तफरी माहौल हो गया। घर में चाय बनाते समय अचानक से गैस सिलेंडर फट गया। गैस सिलेंडर फटने से घर में भीषण आग लग गई । जिसकी चपेट में घर के दो बच्चों समेत चार लोग आ गए थे। जो इस अग्निकांड में बुरी तरह झुलस गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। करीब पौन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। वहीं पुलिस ने आग से झुलसे

चारों लोगों को पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि हल्द्वानी में पीलीकोठी इलाके के श्याम गार्डेन में राम अवतार का परिवार रहता है। राम अवतार के घर में बुधवार शाम को पूजा-पाठ होनी थी, जिसके लिए पूरा परिवार एकत्र हुआ था। शाम को करीब साढ़े चार बजे घर की महिलाएं घर की निचली मंजिल पर बनी रसोई में चाय बना रही थी। तभी अचानक से गैस सिलेंडर में आग लग गई। वहां मौजूद महिलाएं इससे पहले कुछ समझ पाती सिलेंडर में तेज धमाका हुआ, जिसकी चपेट में जेठानी-देवरानी और दो बच्चे आ गए। वहीं, घर में आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। आग मकान की तीसरी मंजिल तक पहुंच गई। पड़ोसियों के सहयोग से घरवालों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में घर में रखा अधिकांश सामान जल गया।

फांसी लगाकर दी जान

हमारें संवाददाता

हरिद्वार। लक्सर क्षेत्रांर्तगत सुखपाल इन्क्लेव कॉलोनी में 55 वर्षीय व्यक्ति ने पंखे से लटक कर फांसी लगाकर जान दे दी।

मृतक इरशाद पुत्र शरीफ मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश का निवासी था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि सुखपाल इन्क्लेव कालोनी में एक व्यक्ति द्वारा अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी गयी है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया। बताया जा रहा है मृतक इस कालोनी में किराये के मकान में रहता था तथा वह ठेकेदारी का काम न मिलने से परेशान था।

रिश्वतखोर अधिशासी अभियंता के आवास से मिला लाखों का कैश

देहरादून (हसं)। 50 हजार की रिश्वत मामले में विजिलेंस की टीम द्वारा बीते रोज लघु सिंचाई खण्ड नैनीताल के अधिशासी अभिन्यता को गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके आवास से विजिलेंस टीम द्वारा लाखों रूपये का कैश व जरूरी दस्तावेज भी बरामद कर लिये गये है। बता दें कि बीते रोज लघु सिंचाई खण्ड नैनीताल के अधिशासी अभियंन्ता कृष्ण सिंह कन्याल को विजिलेंस की टीम द्वारा 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके बाद विजिलेंस की टीमों द्वारा उनके घरों में छापेमारी की गयी। देर रात तक चली उनके दोनो घरों में छापेमारी के दौरान विजिलेंस टीम द्वारा वहां से 23.97 लाख रूपये की नगदी बरामद की गयी है। जिसे आज कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने विशाल मेगा मार्ट के पीछे प्लाट पर स्कूटी सवार एक व्यक्ति को रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह स्कूटी को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 15 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम नितिन लारेन्स उर्फ नाटू पुत्र लारेन्स निवासी लोहिया नगर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा ने 453 पौधों को वितरित कर पौधारोपण किया

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा ने 453 पौधों को वितरित कर पौधारोपण किया।

आज यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड अध्यक्ष मनमोहन शर्मा ने बताया कि भगवान परशुराम के जन्मोत्सव 10 मई 2024 को 501 पेड़ को वितरित एवं पौधारोपण कर चिरंजीव भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को ध मूधाम से 501 पौधों को वितरित एवं पौधारोपण कर मनाने का संकल्प टपकेश्वर महादेव मंदिर में लेकर 10 में 2024 से आज 453 पौधों को वितरित एवं पौधारोपण कर श्रृंखला को पूरे करने का प्रयास ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड द्वारा किया जा रहा है। जिसमें आज नागरिक सुरक्षा संगठन के समस्त वार्डन एवं डिप्टी कंट्रोलर एस के साहू मुख्य रूप से एकत्रित हुए और वहां पर नागरिक सुरक्षा के विचारों का मंथन हुआ। उसके उपरांत अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा

उत्तराखंड अध्यक्ष मनमोहन शर्मा द्वारा डिप्टी कंट्रोलर एस के साहू का अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया और रुद्राक्ष का पौधा दिया गया। अखिल भारतीय देवभूमि जन कल्याण सेवा समिति के प्रमुख अरुण कुमार शर्मा को अंग वस्त्र पहनाकर रस्वागत किया और रुद्राक्ष का पौधा दिया गया। इसी क्रम में पोस्ट वार्डन राजकुमार अंग वस्त्र पहनकर स्वागत किया गया और रुद्राक्ष का पौधा दिया गया। इसी क्रम में शिवा की माता का अंग वस्त्र पहनकर स्वागत किया गया और बेलपत्र का पौधा दिया गया। उसके उपरांत समस्त वार्डेनों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया और तुलसी व फूलों के पौधे दिए गए। इस श्रृंखला को 453 पर पहुंच चुके हैं। इस अवसर पर डिप्टी कंट्रोलर एस के साहू, मन मोहन शर्मा, अध्यक्ष, अरुण शर्मा, ,राजकुमार, नितिन, अनिल बशिन, सुरेंद्र मौर्य, संजय दत्ता, हेमंत माटा, मान सिंह, कृष्ण बीज, तरुण को पौधे वितरित किए गए।

एक नजर

बुद्ध पूर्णिमा पर लाखों लोगों ने लगाई गंगा में डुबकी

विशेष संवाददाता

हरिद्वार/ऋषिकेश। आज बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर लाखों लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई और दान पुण्य कर मानव कल्याण की कामना की।

वैशाख पूर्णिमा के दिन ही भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई इसलिए इस दिन को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में जाना जाता है। मानव का मूल स्वभाव सत्य और अहिंसा का रहा है। महात्मा बुद्ध के द्वारा संसार को और समस्त मानव जगत को जो सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया था वह आज भी पूरे विश्व में उतना ही प्रासंगिक है जितना पहले था। महात्मा बुद्ध ने जीवन सार तत्वों की खोज में लंबे समय तक तपस्या की थी और उन्हें इस तपस्या के प्रतिफल में सत्य व अहिंसा का यह अद्भुत मंत्र प्राप्त हुआ था। महात्मा गांधी जैसे महापुरुष भी भगवान बुद्ध के इस सत्य अहिंसा के सिद्धांत का अनुसरण कर महात्मा गांधी बन सके।

सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही कोई व्यक्ति अपने जीवन के उत्कृष्ट को प्राप्त हो सकता है। भगवान बुद्ध का यह उपदेश मानवता के कल्याण का मंत्र है तथा दया धर्म जैसी मानवीय गुणों को प्रतिपादित करता है। भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व में भगवान बुद्ध के अनुयायियों की बड़ी तादाद है। जिनकी उनके इस सत्य और अहिंसा के सिद्धांत में पूर्ण आस्था है। आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर गंगा अथवा किसी भी पवित्र नदी में स्नान कर लोग प्रार्थना करते हैं कि भगवान बुद्ध उन्हें सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने का प्रेरणा प्रदान करें। आज बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर लाखों लोगों ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। इस अवसर पर हरिद्वार व ऋषिकेश के गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ गंगा स्नान के लिए उमड़ी। इस दौरान कई स्थानों पर जाम के हालात भी देखे गए।

डेढ किलो गांजे के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने डेढ किलो गांजे के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार थाना पुलिस ने मलिक चौक के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से एक किलो पांच सौ ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम होरी लाल पुत्र नारायण साहनी निवासी शिव कालोनी कांवली रोड बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

रजिस्ट्रेशन को लेकर श्रद्धालुओं के साथ एक और फर्जीवाड़ा, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। चारधाम यात्रा के लिए कराये गये आनलाइन पंजीकरण में महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया हैं। जांच के दौरान सामने आये फर्जीवाड़े के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना कर दी गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज पुष्कर थिटे पुत्र रामकृष्ण थिटे निवासी लाथूर महाराष्ट्र द्वारा कनखल थाने में तहरीर देकर बताया गया कि 20 मई को उनके द्वारा स्वंय व अपने 8 साथियों के लिए एक ट्रेवलर्स के कथित स्वामी सुमित से यात्रा पैकेज लिया गया। जिसमे उनके लिये 2 गाडियां, ठहरने के लिए होटल व यात्रा रजिस्ट्रेशन शामिल है जिसकी कीमत 1 लाख 32 हजार रुपये थी जिसमे से 96 हजार रुपये भुगतान किये गये थे व शेष 36 हजार रुपये यात्रा के दौरान दिये जाने थे। 22 मई को यानि बीते रोज वादी व उसके साथी दो गाडियो से बैरागी कैम्प कनखल हरिद्वार पंहुचे जहां पर पुलिस बैरियर पर चारधाम यात्रा के वाहनो की सघन चैकिंग के दौरान उनके व उनके साथियों के यात्रा रजिस्ट्रेशन लेटर को चैक किया गया तो उसमे यात्रा की तिथि 21 से 26 मई थी परन्तु पुलिस द्वारा स्कैन करने पर पाया कि उक्त लोगों की यात्रा की वास्तविक तिथि 21 से 26 जून तक है। इस पर वादी को जानकारी हुयी कि उसके साथ सुमित द्वारा उत्तराखण्ड टूरिज्म डप्लिममैन्ट बोर्ड के यात्रा रजिस्ट्रैशन लेटर मे कूटरचना कर फर्जी रजिस्ट्रेशन लेटर देकर धोखाधडी की गयी है। तहरीर के आधार पर थाना कनखल में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना कर दी गयी है।

बंद घरों में हुई चोरियों का खुलासा, एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पौड़ी। बंद घरों में हुई चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लाखों के जेवरात व अन्य सामान भी बरामद किया गया है। आरोपी शातिर किस्म का चोर है जो चोरी करने के बाद उसी घर में खाना बनाकर खाता था।

जानकारी के अनुसार बीती 19 जनवरी को थाना थलीसैंण में महेश्वरी देवी पत्नी स्व. जयपाल सिंह निवासी ग्राम तिमली पट्टी खाटली, तहसील बीरोखाल थाना थलीसैंण जनपद पौडी गढ़वाल ने शिकायती पत्र देकर बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति नें उनके घर का ताला तोड़कर गहने व बर्तन चोरी कर लिये हैं। वहीं 26 अप्रैल को थाना रिखणीखाल में सरोजनी देवी पत्नी स्व. राजे सिंह नेगी निवासी ग्राम डाबरी वल्ली ने शिकायती पत्र देकर बताया गया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके घर का ताला तोड़कर कीमती सामान व गहने चोरी कर लिये हैं। इसके साथ ही बीती 12 अप्रैल को रोशनी पत्नी चतर सिंह, निवासी ग्राम घोटला द्वारा थाना रिखणीखाल में तहरीर देकर बताया गया

कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय घोटला का ताला तोडकर अज्ञात चोर द्वारा सरकारी राशन व नगदी चोरी कर ली गयी है।

जनपद के दूरस्थ गांवों में एक के बाद एक हो रही चोरी की घटनाओं का तत्काल संज्ञान लेते हुये वरिष्ठ पुलिस

❑लाखों के जेवरात व अन्य सामान बरामद

अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा तीन टीमों का गठन कर चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिये गये थे। तीनों टीमों द्वारा अथक प्रयासों के बाद बीती शाम विशन सिंह रावत पुत्र धर्म सिंह रावत को सिद्धखाल तिराहा रिखणीखाल के पास से मय चोरी किये गये लाखों के जेवरात व अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी विशन सिंह रावत ने पूछताछ में बताया कि सभी चोरियों को उसने अकेले ही अंजाम दिया है। बताया कि चोरी करने से पूर्व वह ऐसे घरों को टारगेट करता है जो कई दिन से बन्द रहते है, दिन में वह उन बंद मकानों ढंग से रेकी कर लेता है। तत्पश्चात रात्रि में उन बन्द घरों/मकान/स्कूल के ताले सब्बल/सरिया से तोड़ता है फिर घर का कीमती सामान समेट लेता है।

बताया कि उसके बाद उसी घर में आराम से खाना बनाता है और खाना खाने के पश्चात रात्रि में ही जंगल के रास्ते पैदल चलकर चोरी के माल को छुपा लेता था और फिर अन्य दूसरे गांव में जाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है, उसके पश्चात यह बीच-बीच में हरिद्वार भी चला जाता था। बहरहाल पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

डम्पर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। डम्पर की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर डम्पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोरी उत्तरकाशी निवासी कुन्दन सिंह राणा ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा अपनी स्कूटी से सहसपुर बाजार की तरफ जा रहा था। जब वह सहसपुर बाजार में पहुंचा तभी पीछे से आ रहे डम्पर चालक ने तेजी व लापरवाही से डम्पर को चलाते हुए उसके बेटे की स्कूटी को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बडोवाला निवासी राजेश नौटियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। राजेश्वर नगर निवासी सावन बुटोला ने राजपुर थाने में अपने घर के बाहर से स्कूटी चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया।

ऑनलाइन फर्जी रजिस्ट्रेशन मामले में एक और ट्रेवल एजेट गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। महाराष्ट्र के 30 सदस्य दल का फर्जी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने वाले ट्रेवल एजेंट को पुलिस ने हरिद्वार से गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 मई 2024 को ऋषिकेश क्षेत्र में स्थित रजिस्ट्रेशन चैकिंग सेन्टर में चारधाम यात्रा में आने वाले यात्रियों/वाहनो की चौकिंग के दौरान महाराष्ट्र से आये यात्रियों के 30 सदस्यीय दल (16 पुरुष, 14 महिलाएं) के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चैक करने पर उनके ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन फर्जी पाये गये, जिनमें तारिखों में कूटरचना कर उन्हें बदला गया था। जिसके सम्बंध में दल में आये यात्रियों से जानकारी करने पर उनके द्वारा अपने 30 सदस्यीय दल का चारधाम की यात्रा के लिये हरिद्वार की कोनार्क ट्रैवल्स से 21 मई 2024 से 30 मई 2024 तक दो धामो की यात्रा हेतु रेजिस्ट्रेशन करवाना बताया गया, साथ ही उक्त फर्जी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन को ट्रैवल एजेन्सी की ओर से अभि नाम के एजेंट द्वारा उन्हें व्हाटसएप के माध्यम से उपलब्ध कराना बताया गया। उक्त सम्बंध में दल के साथ आये यात्री सागर नेमिनाब मगड़म द्वारा थाना ऋषिकेश में सम्बन्धित ट्रैवल्स एजेन्सी के विरूद्व दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली ऋषिकेश में मुकदमा दर्ज किया गया। प्रकरण की गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित ट्रेवल एजेंसी संचालक की गिरफ्तारी हेतु दिए गए निर्देशों पर तत्काल एक टीम का गठन कर हरिद्वार रवाना किया गया। टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ऑनलाइन

ट्रैवल एजेंसी को संचालित करने वाले व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित करते हुए एक आरोपी को 22 मई 2024 को हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम अंकुश पुत्र पूर्ण चंद निवासी गली नंबर 4 टीबड़ी रानीपुर मोड थाना कोतवाली रानीपुर हरिद्वार। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।